खाली गमला



डेमी

बहुत समय पहले चीन में पिंग नाम का एक लड़का रहता था जिसे फूलों का बहुत शौक था. वो जो कुछ भी बोता, वो खिल उठता.

सम्राट को भी फूल बहुत पसंद थे. जब उत्तराधिकारी चुनने का समय आया, तो सम्राट ने राज्य में प्रत्येक बच्चे को एक-एक फूल का बीज दिया. "जो कोई भी मुझे एक वर्ष बाद अपना सर्वश्रेष्ठ पौधा दिखायेगा," उन्होंने घोषणा की, "वही सिंहासन पर बैठेगा और अगला सम्राट बनेगा!"

पिंग ने अपना बीज बोया और प्रतिदिन उसकी देखभाल की. लेकिन महीनों बीत गए पर बीज में से कुछ भी नहीं निकला. जब वसंत आया तो पिंग, सम्राट के पास सिर्फ एक खाली गमला लेकर गया.

खाली गमला



डेमी

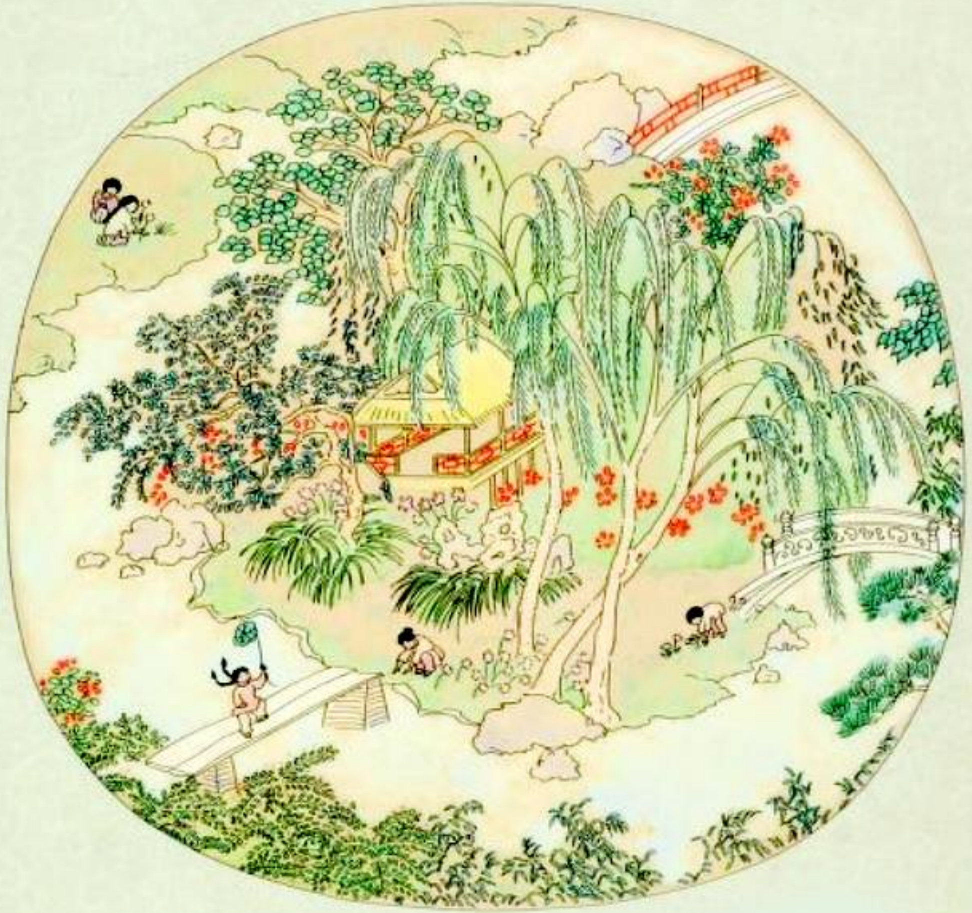




बहुत समय पहले चीन में पिंग नाम का एक लड़का रहता था जिसे फूल बहुत पसंद थे. वो जो कुछ भी बोता था, वो खिल उठता था. उसके लगाए पौधों में फूल, पत्ते, और यहाँ तक कि बड़े फल भी आते थे, मानो जादू से!



राज्य में भी सभी को फूल बहुत पसंद थे.



लोग हर जगह फूल लगाते थे, और उससे हवा में इत्र की महक आती थी.





सम्राट को पक्षियों और जानवरों से प्यार था, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा फूलों से प्यार था. सम्राट हर दिन अपने बगीचे में काम करते थे.

लेकिन सम्राट बहुत बूढ़े हो रहे थे. उन्हें अपने सिंहासन के लिए एक उत्तराधिकारी चुनने की जरूरत थी.



उनका उत्तराधिकारी कौन होगा? और सम्राट उसे कैसे चुनेंगे? क्योंकि सम्राट को फूल बहुत पसंद थे, इसलिए उत्तराधिकारी चुनने के उन्होंने बीजों का उपयोग करने का फैसला किया.



अगले दिन एक घोषणा जारी की गई: देश के सभी बच्चों को महल में बुलाया गया. वहां हरेक बच्चे को सम्राट ने विशेष फूलों के बीज दिए. "जो कोई भी मुझे एक वर्ष बाद सर्वश्रेष्ठ पौधा दिखायेगा," उन्होंने कहा, "वही मेरे सिंहासन पर बैठेगा."



इस खबर ने पूरे देश में एक बड़ी उत्तेजना पैदा की!
देश भर से बच्चे फूलों के बीज लेने के लिए महल में उमड़ पड़े.



सभी माता-पिता चाहते थे कि उनका बच्चा सम्राट बने,
और सभी बच्चों को उम्मीद थी कि उन्हें ज़रूर चुना जाएगा!



जब पिंग को सम्राट ने बीज दिया, तो वो सबसे खुश बच्चा था.
उसे पूरा यकीन था कि वो सबसे खूबसूरत फूल उगा पायेगा.



पिंग ने एक गमले को खाद वाली मिट्टी से भरा.
उसने उसमें बीज को बड़ी सावधानी से बोया.



वो बीज को रोज सींचता था. वो बीज के अंकुरित होने, बढ़ने
और एक सुंदर फूल बनने का इंतजार नहीं कर सकता था!



दिन पर दिन बीतते गए, पर उसके गमले में कुछ भी नहीं ऊगा.



पिंग बहुत चिंतित था. उसने एक बड़े गमले में नई मिट्टी डाली.



फिर उसने अपने बीज को उर्वर काली मिट्टी में स्थानांतरित किया.



पिंग ने दो महीने तक और इंतजार किया. फिर भी कुछ नहीं ऊगा.



धीरे-धीरे पूरा साल बीत गया.



वसंत आया और तब सभी बच्चों ने सम्राट का
अभिवादन करने के लिए अपने सबसे अच्छे कपड़े पहने.



सबको अपने चुने जाने की उत्सुकता थी.
बच्चे अपने-अपने सुंदर फूलों के साथ महल में पहुंचे.



पिंग को अपने खाली गमले पर शर्म आ रही थी. उसने सोचा कि दूसरे बच्चे उस पर हँसेंगे क्योंकि वो एक फूल भी नहीं ऊगा पाया था.



पिंग का एक चतुर दोस्त उसके पास एक बड़ा बड़ा पौधा लेकर आया. "पिंग!" उसने कहा, "क्या तुम सच में एक खाली गमला लेकर सम्राट के पास जाओगे? तुमने मेरे जैसा एक बड़ा बड़ा फूल क्यों नहीं उगाया?"

"मैंने तुमसे भी अच्छे बहुत सारे फूल उगाए हैं," पिंग ने कहा. "परन्तु यह बीज बिल्कुल बढ़ा ही नहीं."



पिंग के पिता ने वो बात सुनी और उन्होंने कहा, "तुमने अपना सर्वोत्तम प्रयास किया, अब तुम अपनी कोशिश को सम्राट के पास लेकर ज़रूर जाओ."



हाथों में खाली गमला लिए पिंग सीधे महल में पहुंचा.





सम्राट ने धीरे-धीरे एक-एक करके सभी फूलों का मुआयना किया.

कितने सारे फूल सुन्दर थे!

लेकिन बादशाह काफी परेशान थे पर उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा.



अंत में, वो पिंग के पास आए. सजा की उम्मीद में पिंग ने अपना सिर शर्म से झुका लिया था.



सम्राट ने उससे पूछा, "तुम खाली गमला क्यों लाए हो?"



पिंग रोने लगा और उसने उत्तर दिया, "मैंने वो बीज बोया जो आपने मुझे दिया था. मैंने उसे हर दिन पानी दिया, लेकिन वो अंकुरित ही नहीं हुआ. मैंने उसे बेहतर मिट्टी के साथ एक बड़े बर्तन में डाला, लेकिन फिर भी वो अंकुरित नहीं हुआ! मैंने उसकी बहुत देखभाल की." यह सिलसिला पूरे साल चलता रहा, लेकिन बीज बिल्कुल नहीं बढ़ा. इसलिए आज मुझे बिना फूल वाला एक खाली गमला यहाँ लाना पड़ा है. मैं जो कुछ कर सकता था वो मैंने किया."



जब सम्राट ने इन शब्दों को सुना, तो धीरे-धीरे उनके चेहरे पर एक मुस्कान फैल गई और उन्होंने पिंग के कंधे पर अपना हाथ रखा. फिर सम्राट ने सभी से कहा, "मैंने अपने उत्तराधिकारी को पा लिया है! मुझे सम्राट बनने योग्य एक लड़का मिल गया है!
तुम्हें बीज कहाँ से मिले, वो मैं नहीं जानता. क्योंकि जो बीज मैंने तुम्हें दिए थे वे सब उबले और मरे हुए बीज थे. इसलिए उनमें से किसी बीज का बढ़ना असम्भव था.
मैं पिंग के महान साहस की प्रशंसा करता हूं, और अब मैं उसे अपने पूरे राज्य से पुरस्कृत करता हूं और उसे अपने देश का सम्राट बनाता हूं!"

